

Three Field days on 'Line sowing of wheat, lentil and chickpea through Zero Tillage Machine & Raised Bed Planter' at KVK, Buxar during 02-04th December, 2021

02-04th December 2021, Buxar (Bihar)

Three Field days on '**Line sowing of wheat, lentil and chickpea through Zero Tillage Machine & Raised Bed Planter**' was organized at Krishi Vigyan Kendra, Buxar, Bihar during 02-04th December, 2021 under **CRP on Farm Mechanization & Precision Farming** project.

On 2nd December 2021, the field day was organized at *Ramobariya* village, Block & District Buxar. Total 40 farmers participated in the field day. Dr. Bikash Sarkar, Pr. Scientist (ICAR-RCER, Patna) and PI of the project told farmers about the benefits of using raised bed planter. Dr. Prem K Sundaram, Scientist (ICAR RCER) and Dr. Ramkewal (SMS, KVK Buxar) demonstrated the raised bed planter to the farmers and discussed about the technical aspect of its operation. Dr Hari Govind informed about the herbicides to be sprayed after sowing of wheat.

On 3rd December 2021 about 56 farmers (44 male and 12 female) participated during field day at *Harikishunpur* Village, Block & district Buxar. They were demonstrated happy seeder. The wheat was sown directly in combine harvested field. Farmers were very positive and curious about operation of happy seeder in the clay soil. They were satisfied with the operation of happy seeder in clay soil.

The field day was also organised at *Balapur* Village, Block & district Buxar on 4th December. Here, 35 farmers participated and they were appraised about the importance of line sowing. They were demonstrated seed cum fertilizer drill. Sandeep Kumar Yadav and Arvind Kumar, SRF (CRAP) helped in organizing the three field days.

Glimpses of the Field days

02nd December 2021, Buxar (Bihar)

Village: Ramobariya



Demonstration of Raised Bed Planter for wheat sowing

Glimpses of the Field days

03rd December 2021, Buxar (Bihar)

Village: Haikishunpur



Demonstration of Happy Seeder for wheat sowing

Glimpses of the Field days

04th December 2021, Buxar (Bihar)

Village: Balapur



Demonstration of seed cum fertilizer drill for wheat sowing

02-04th December 2021, Buxar (Bihar)

सदर प्रखंड के रामोबोरिया में रेज्ड प्लांटर व हरिकिशनपुर गांव में हैप्पी सीडर से हुई गोहू की खेती, कम खर्च में प्राप्त कर सकते हैं बेहतर उपज गोहू बुआई की नई तकनीक से अवगत हुए जिले के किसान

बक्सर | हिन्दुस्तान संवाददाता

समय के साथ-साथ खेती में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है। किसान आज भी गोहू की बुवाई बीज को हाथों से छिड़क कर करते हैं, जबकि ऐसी मशीन आ गई है जिससे किसान आसानी से गोहू की बुवाई कर सकते हैं। इसी कड़ी में कृषि विज्ञान केंद्र के नेतृत्व में सीआरपी ऑन एफएम योजना के तहत जलवायु अनुकूल कृषि अंतर्गत चयनित सदर प्रखंड के रामोबोरिया एवं हरिकिशनपुर गांव में



हरिकिशनपुर में कवीके द्वारा आयोजित कार्यशाला में किसानों को हैप्पी सीडर मशीन द्वारा गोहू की बुवाई का गुर सिखाते विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

नई तकनीक से गोहू की बुवाई हुई। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ रामकेवल ने बताया कि रामोबोरिया में रेज्ड बेड प्लांटर व हरिकिशनपुर

गांव में हैप्पी सीडर मशीन से खेतों में सीधे गोहू की बुवाई की गई। मौके पर आईसीएआर पटना के आरसीइआर के प्रधान वैज्ञानिक विकास सरकार

गुन्नी में क्रॉप कटिंग में प्रति हेक्टेयर 78 क्विंटल धान का उत्पादन

चौसा। बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत पंचायत स्तरीय फसल कटनी का प्रयोग के तहत शुक्रवार को प्रखण्ड के चुन्नी पंचायत में स्थित एक खेत में धान की क्रॉप कटिंग की गई। एसडीओ वीरेन्द्र कुमार मिश्रा ने इस धान के क्रॉप कटिंग के कार्य का जायजा लिया। प्रखण्ड सांख्यिकी पदाधिकारी विकास पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार को चुन्नी गांव में स्थित उमेश चौबे के खेत में धान की क्रॉप कटिंग की गई। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा 10 मीटर गुणा 5 मीटर में धान की कटिंग की गई। इसमें कुल उपज 38,900 किलोग्राम प्राप्त हुआ। इसका प्रति हेक्टेयर उत्पादन 78 क्विंटल माना गया। सं.सू.

एवं आरके सुंदरम की देखरेख में हरिकिशनपुर में कमलेश पांडेय के खेत हैप्पी सीडर से गोहू लगाया गया। उन्होंने बताया कि हैप्पी सीडर से

बुवाई करने में पराली नहीं जलाना पड़ता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि हार्वैस्टर से कटनी के बाद बचे अवशेष को खेतों में छिट कर सीधे

बुवाई कर देता है। पुआल के बिछावन करने से खेतों में नमी रहती है और खरपतवार भी नहीं उगता है। केविके के रामकेवल ने बताया कि रामोबोरिया में चालिस किसानों ने हिस्सा लिया और हरिकिशनपुर में 56 किसानों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि रामोबोरिया में विकास प्रताप सिंह के खेत पर रेज्ड बेड प्लांटर से बुवाई की गई। इसका मुख्य उद्देश्य कम खाद और बीज के साथ कम सिंचाई के तहत खेती का प्रदर्शन करना था ताकि किसान जागरूक हो सकें।

Hindustan 4th December 2021



Prabhat Khabar
4th December 2021